

पृ. ३
२०१४.

पत्तावली प्रेषा दुर्ग। कुकुवाच उपप राशि
प्रकरण सं. ६/१०१२ मोदाराम कंगरा चनाम
कानाराठ कंतगत धारा २५(ग) में पारित
कंडरा से प्राचीन को उनकी सहस्रसंख्या
श्री लालराई के खं. ७५५ को सिद्ध
करने के लिए खं. ४७३। मेसे पारित
लाइन निकालने के लिए अनुमत किया
जान्युका है। जिससे माती के अनुसंधान
अनुसार प्राचीन माती के विकृत माती लालराई
के खं. ४७३। मेसे पारित लाइन निकालने
से रोकने वास्तु सार्वकालिक निषेधा
जारी नहीं की जा सकती। कंत. माती
माती विकृत प्राचीन माती लालराई के
खं. ४७३। के संवध में सार्वकालिक
निषेधा का कंतगत धारा १४४

राजस्थान काश्मिरी कारी कारीगरी 1955
स्मारक किया जाता है इसी कंठ
डिजी प्रकाश जारी है। मिमल
ले मिमल सुमार होकर नंबर से कहेंगे



39 - मण्डल अधिकारी, जयपुर